मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 140, मुंबई, सोमवार, 10 अगस्त, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

सुशांत के एक्स असिस्टेंट अंकित आचार्य का

दावा

एक्टर का गला घोंटने के लिए उनके डॉग फज की बेल्ट का इस्तेमाल किया गया

संवाददाता

मुंबई। हर दिन, हर घंटे, हर मिनट सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े नए खुलासे हो रहे हैं। इसी बीच सुशांत सिंह राजपूत के साथ काम कर चुके अंकित आचार्य ने एक इंटरव्यू में सुशांत की मौत को लेकर चौंकाने वाले दावे किए हैं। अंकित का दावा है कि सुशांत ने आत्महत्या नहीं की, बल्कि उनके पालतू कुत्ते फज की बेल्ट से गला घोंटकर उनकी हत्या की गई थी। अंकित ने कहा - मैं जानता था, सुशांत भैया एकदम ठीक थे। मैं मान ही नहीं सकता ये सुसाइड है। निश्चित तौर पर ये मर्डर है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

‘महाराष्ट्र के कई इलाकों में भारी बारिश का अनुमान’

मुंबई तथा पश्चिमी तट के अन्य हिस्सों में 50-60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं

मुंबई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने रविवार को कहा कि महाराष्ट्र के कई इलाकों में भारी बारिश का अनुमान है। बंगाल की खाड़ी के उत्तर पश्चिम तथा इससे सटे हुए पश्चिम-मध्य के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने से महाराष्ट्र के कई हिस्सों में तेज बारिश का अनुमान है। विभाग ने बताया कि महाराष्ट्र के अधिकतर स्थानों पर शनिवार को बारिश हुई या गरज के साथ छींटें पड़ीं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र में अब आवाज़ से होगी कोरोना की जांच

आदित्य ठाकरे बोले- साबित होगी नई तकनीक

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। महाराष्ट्र सबसे ज्यादा कोरोना प्रभावित राज्य में टॉप पर है। महाराष्ट्र में मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। अब महाराष्ट्र सरकार कोरोना टेस्टिंग के लिए एक नई तकनीक का इस्तेमाल करने जा रही है। इस तकनीक के बाद आवाज से ही कोरोना की जांच हो जाएगी। ऐसा हम नहीं खुद शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने कहा है। आदित्य ने ट्विटर पर इस बारे में जानकारी दी है। आदित्य ठाकरे ने ट्वीट किया, बीएमसी आवाज के नमूनों का उपयोग करके एआई-आधारित कोविड टेस्टिंग का एक परीक्षण करेगी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

और सावधान

भारत में कोरोना संक्रमण के आंकड़ों में तेजी चिंताजनक जरूर है, लेकिन अप्रत्याशित नहीं। भारत की जो स्थिति या आबादी है, उससे किसी भी देश की तुलना संभव नहीं है। फिर भी आंकड़ों की तुलना तो होगी और चिंता का इजहार भी उत्तरोत्तर बढ़ता जाएगा। हमें अब किसी भी देश से तुलना करने की बजाय अपने आंकड़ों के बयान पर गौर करना चाहिए। हमारे आंकड़े हमारी अपनी कहानी बयान कर रहे हैं। जिस देश में कोरोनाके आंकड़ेको एक लाख तक पहुंचने में 100 से ज्यादा दिन लगे थे। उसी देश में पिछले दस लाख मामलों में मात्र 21 दिन लगे हैं। केवल एक दिन में अगर 62 हजार से ज्यादा मामले आएंगे, तो फिर तो हम सहज अनुमान लगा सकते हैं कि आगामी 50 दिनों में भारत की स्थिति क्या हो सकती है? 30 जनवरी को भारत में कोरोना का पहला मामला सामने आया था और शुरू में बहुत धीरे-धीरे मामले बढ़े थे। विशाल आबादी के बावजूद भारत कोरोना मामलों के अग्रणी राष्ट्रों में कहीं दूर-दूर तक नहीं था। तब भी आशंका पूरी थी कि भारत में तेजी से संक्रमण हो सकता है और अभी वही हो रहा है। हालांकि, इसका कतई यह अर्थ नहीं कि हम किसी बड़ी मुसीबत में फंस गए हैं। भारत में अगर 20 लाख से ज्यादा मामले सामने आए हैं, तो उनमें ठीक होने वाले 13 लाख से ज्यादा लोग शामिल हैं। सक्रिय मरीजों की संख्या करीब साढ़े छह लाख ही है। मोटे तौर पर अगर देखें, तो भारत में प्रतिदिन 40 हजार से ज्यादा मरीज ठीक हो रहे हैं, जबकि रोज 50 हजार से ज्यादा नए मरीज मिल रहे हैं। हमें इन दोनों के बीच के अंतर को न केवल पाटना है, बल्कि नए मरीजों की संख्या को ठीक होने वाले मरीजों की संख्या से कम भी करना है। जिस तैयारी के साथ भारत लड़ रहा है, उसमें हमारी यह कामयाबी नामुमकिन नहीं है। संक्रमण के ज्यादा मामलों के सामने आने के पीछे एक और कारण है। 1 अप्रैल को जहां भारत में बमुश्किल 4,000 टेस्ट हो पाए थे, वहीं अब रोजाना चार लाख से ज्यादा कोविड टेस्ट आसानी से हो रहे हैं। यह पहले भी कहा गया है और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी इशारा किया था कि भारत में चूंकि टेस्ट कम हो रहे हैं, इसलिए मामले कम सामने आए हैं। यह स्वाभाविक है। ज्यादा से ज्यादा टेस्ट करना आज जरूरी है, लेकिन टेस्ट के बाद जो आंकडे.सामने आएं, तो उनसे घबराना ठीक नहीं। अपनी पूरी घबराहट को सावधानी में बदल देने में ही इस वक्त हमारी भलाई है। हमारा देश बहुत बड़ा है, हमारे देश में आंकड़े छिपाए नहीं जाते। हमारे यहां अगर सबसे ज्यादा इंजीनियर-डॉक्टर हैं, तो सबसे ज्यादा रोगी भी हो सकते हैं। आज अगर भारत में संक्रमण दर सबसे तेज हो गई है, और अगर पिछले सात दिनों में हमारी कोरोना वृद्धि दर 3.1 प्रतिशत के साथ सबसे ज्यादा हो गई है, तो इसका श्रेय हमारी विशाल आबादी को भी जाता है। हमें किसी भी स्तर पर आंकड़ों से भयभीत नहीं होना है, और न ही उन्हें छिपाना है। कोरोना पर विजय के लिए ज्यादा से ज्यादा टेस्ट करने की जरूरत है। संदिग्धों को खोज-खोजकर क्वारंटीन करना और हर संभव इलाज समय की मांग है। हमारी निगाह ठीक होने वालों की बढ़ती संख्या पर रहनी चाहिए, ताकि हम किसी भी अवसाद से बचें और अपने बचाव में हरसंभव सावधानी बरतें।

शिक्षण संस्थानों की मनमानी पर लगे लगाम

देश में नई शिक्षा नीति लागू होने जा रही है। इससे देश की शिक्षा प्रणाली में कई बुनियादी बदलाव होंगे जिनका उद्देश्य शिक्षा को सभी के लिए सरल और सुलभ बनाना होगा। नई नीति के तहत राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण में अब निजी और सरकारी दोनों प्रकार के स्कूल आएंगे तथा दोनों के लिए समान नियम तैयार किए जाएंगे। यही नहीं, कौन संस्थान किस कोर्स की कितनी फीस रख सकता है, इसका भी एक मानक तैयार करने की बात कही गई है। अधिकतम फीस कितनी हो, इसका दायरा भी तय होगा। एक समान नियमों के कारण प्राइवेट स्कूलों की मनमानी पर लगाम लगने की उम्मीद जगी है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि शिक्षा के व्यवसायीकरण के चलते तेजी से शिक्षा का प्रसार हुआ है। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में निजी भागीदारी से उत्पन्न प्रतिस्पर्धा के फलस्वरूप शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार हो रहा है और शिक्षित लोगों के लिए रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। शिक्षा में निजी स्कूलों को बढ़ावा देने से यदि कुछ लाभ हुए हैं तो इसके नुकसान भी कम नहीं है। शिक्षा में निजीकरण के कारण स्थिति ऐसी हो चुकी है कि इस पर प्रभावी नियमन की जरूरत महसूस की जाने लगी है। आज शिक्षा एक व्यवसाय बन गया है जिसका मूल मकसद शिक्षा कम, मुनाफा कमाना अधिक हो गया है। शिक्षा के बाजारीकरण का असर लगातार व्यापक हुआ है, लेकिन दुर्भाग्य से राजनीति के लिए शिक्षा आज भी चुनावी मुद्दा नहीं बन पाई है। अगर बात अध्यापकों की योग्यता और उनके अनुभव की करें तो सरकारी स्कूल प्राइवेट स्कूलों से कहीं आगे हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाओं के अभाव में इन स्कूलों में छात्रों की संख्या घटती जा रही है।

इसी का फायदा निजी स्कूल उठा रहे हैं। आज यह धारणा आम है कि प्राइवेट स्कूलों द्वारा प्रदान की जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता सरकारी स्कूलों की तुलना में बेहतर है। इसलिए आश्चर्य की बात नहीं कि लोगों की वरीयता निजी स्कूल के प्रति होती है। किंतु विडंबना यह भी है कि निजी शिक्षण संस्थाओं में बहुत सारे तथ्य शिक्षण की गुणवत्ता के पैमाने पर खरे नहीं उतरते। शिक्षा नीति के मसौदे को लेकर गठित के कस्तूरीरंगन समिति ने सरकार से स्कूली शिक्षा में ऐसे निजी ऑपरेटरों को रोकने की भी सिफारिश की है, जो शिक्षा के मूल स्वभाव को नष्ट करते हुए स्कूल को एक वाणिज्यिक उद्यम के रूप में चलाने का प्रयास करते हैं। प्राइवेट स्कूलों को अनाप-शनाप फीस बढ़ोतरी की अनुमति नहीं दी जा सकती, लेकिन वे स्कूल की जरूरी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कुछ फीस बढ़ा सकें, इसके लिए बीच का कोई रास्ता निकालना ही होगा। कई राज्यों ने स्कूल फीस के लिए रेगुलेटरी संस्थाएं बनाई हैं। ये संस्थाएं तय करती हैं कि जरूरत के हिसाब से फीस किस हद तक बढ़ाई जानी चाहिए। तमिलनाडु में ऐसी नियामक संस्था 2009 में ही बन गई थी। तमिलनाडु में फीस फिक्सेशन मॉडल बनाया गया है जिसके तहत एक सरकारी समिति को निजी स्कूलों द्वारा प्रस्तावित फीस स्ट्रक्चर को सत्यापित और स्वीकृत करने का अधिकार है।

इसी तरह कर्नाटक में भी स्कूली शिक्षा कानून के तहत नियमों को तैयार करके स्कूल फीस की अधिकतम सीमा निर्धारित की गई। बाद में कई अन्य राज्यों ने भी इस प्रक्रिया का अनुसरण किया। लेकिन चिंता की बात यह है कि हर राज्य में फीस स्ट्रक्चर को लेकर अलग-अलग कानून होने से हर मामला न्यायालय में जाकर फंस रहा है। फीस नियंत्रण के लिए राज्यों में पुख्ता योजना नहीं है। ऐसे में समय की मांग है कि केंद्र सरकार पूरे देश में फीस को लेकर एक समान कानून बनाए। अगर इस तरह का कानून देश में आता है तो उम्मीद है कि केवल पैसा कमाने के मकसद से खोले गए बहुत सारे स्कूल बंद हो जाएंगे।

मधुबनी हलचल

मोदी सरकार में देश कमजोर हो चुका है : शाहिद आफरीदी

संवाददाता/मो सालिम आजाद

भारत में हर चुनाव से पहले राजनीतिक दल घोषणा- पत्र जारी कर यह बताना चाहते है कि यदि सत्ता की बागडोर उनके हाथ लगे तो वे जन सेवा में जनता के साथ खड़ी रहेगी। जनता मतदान कर सत्ता की बागडोर जिस दल के हाथों सौंपते हुए उम्मीद की टकटकी लगा बड़े सब्र के साथ इस प्रतीक्षा में बैठी रहती है कि जीतने वाले दल अपने नीति-सिद्धांतों पर चलेंगे और उन चुनावी वायदों को पूरा करेंगे। लेकिन....

- देश में 100 नए स्मार्ट शहरः कब तक बसाए जाएंगे।
- देश के सबसे पिछड़े 100 जिलों को विकसित जिलों में शामिल होनाः सरकार ये काम 2024 लोकसभा के बाद होगा।
- राष्ट्रीय वाई फाई नेटवर्क बननाः छः साल हो गया आखिर कब तक?
- बुलेट ट्रेन की योजना का काम कहा तक पहुंचा।
- कृषि उत्पाद के लिए अलग रेल नेटवर्क कब तक बनेगा।
- जमाखोरी और कालाबाजारी रोकने के लिए विशेष न्यायालयों का गठन कब होगा?
- बलात्कार पीड़ितो और एसिड अटैक से पीड़ित महिलाओं के लिए विशेष कोष कब तक बनेगा।
- वरिष्ठ नागरिकों को आर्थिक सहायता देने के वादे का क्या हुआ?
- किसानों को उनकी लगत का कम से कम 50% लाभ देने की व्यवस्था कहा तक हुई?
- 50 टूरिस्ट सर्किट बनाने वाले थे कब बनाएंगे सरकार?
- अदालतों की संख्या दोगुनी करने के लक्ष्य का क्या हुआ?
- न्यायपालिका में महिलाओं की संख्या बढ़ाने कि दिशा में पहला कदम कब उठाया जाएगा साहब?
- जजों की संख्या में दोगुनी करने कि दिशा में कितनी प्रगति हुई?
- फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया को तीन हिस्से में बांटने की योजना का क्या हुआ?
- महिला आई टी आई की स्थापना कब होगी?
- हर राज्य में एम्स जैसे संस्थानों की स्थापना होनी थी कितने राज्यो में इनका काम शुरू हुआ?
- बैंको के खराब कर्ज यानी एनपीए को कम करने की सरकार के पास क्या योजना है?
- नदियों को साफ करने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाने के काम में कितनी प प्रगति हुई है,
- बीजेपी के 2014 चुनावी घोषणा पत्र में ऐसा बहुत कुछ है, जिस पर अब तक कम शुरू नहीं हुआ है।

#जुमले पर सवार मोदी सरकार है

धर्म के नाम पर राजनीति करने वाले लोग, ढोंगी, पाखंडी और कमजोर होते हैं। यदि आपको कोई भी व्यक्ति धर्म की राजनीति करता मिले या राजनीति में धर्म को ला रहा हो तो समझ लेना कि वह व्यक्ति ढोंगी है, पाखंडी है, कमजोर है। वह जानता है कि उसके पास बताने के लिए अपनी कोई उपलब्धि नहीं है, लोगों को जोड़ने का कोई मजबूत कारण नहीं है, वह जानता है कि उसके अंदर इतनी हिम्मत नहीं है कि वह समाज के, आम जन के वास्तविक मुद्दों पर बात कर सके, उन समस्याओं पर बात कर सके जिनसे देश और समाज जूझ रहा है। और यदि यह काम कोई सत्ताधारी दल का नेता कर रहा हो तो इसका सीधा सीधा अर्थ है कि वह अपनी विफलताओं को छुपा रहा है, उसे मालूम है कि उसे जिस काम के लिए सत्ता सौंपी गई थी,वह उस काम को करने में असफल रहा है। वो राजनेता जो जाति धर्म के भावनात्मक मुद्दों पर वोट माँग रहे होते हैं या ऐसे मुद्दों पर राजनीति करते हैं उससे उनकी मानसिकता का पता चलता है, भले ही वे ऐसा करके, इस प्रकार के मुद्दे उठाकर चुनाव जीत जाएँ, सत्ता में पहुँच जाएँ पर वे इतिहास में नाकारा और कमजोर नेता के रूप में ही पहचाने जाते हैं। वैसे भी समस्याओं के समाधान के लिए दिमाग लगाना पड़ता है, कुछ अलग हटकर सोचना पड़ता है और भावनात्मक मुद्दों को उठाने के लिए न दिमाग लगाने की जरूरत होती है और न ही कुछ अलग ढंग से सोचना पड़ता है पर ऐसे नेताओं को याद रखना चाहिए कि यह सब कभी कभी तो चल जाता है परन्तु हमेशा नहीं, जिस दिन जनता ने ऐसे मुद्दों पर बात करने वाले नेताओं का, जाति धर्म की राजनीति करने वालों का बहिष्कार करना शुरू कर दिया उस दिन वे कहीं के भी नहीं रहेंगे। जिस दिन जनता को यह अहसास हो गया कि यह राजनेता उनकी भावनाओं से, उनकी आस्था और विश्वास से खिलवाड़ कर रहा था, और उसका दुरूपयोग करके सत्ता पर बने रहना ही उसका उद्देश्य था, तो जनता बहुत करारा जवाब देगी। वैसे भी जब कोई नेता यह कहें कि तुम्हारा धर्म खतरे में है तो समझ लेना कि तुम्हारा धर्म नहीं बल्कि उसकी कुर्सी खतरे में है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मधुबनी हलचल

मनुस्मृति को बढ़ावा देने वाली है नई शिक्षा नीतिः डॉ अली

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। मोदी केबिनेट द्वारा नई शिक्षा नीति को पारित कर दिया गया। आज इसी विषय पर प्रेस को संबोधित कररए हुए नई शिक्षा नीति 2020- आपदा को कॉरपोरेटों के लिए अवसर बनाती मोदी सरकार पर आज प्रेस को संबोधित करते हुए आल इंडिया मुस्लिम बेदारी के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राहत अली ने कहा कि मोदी केबिनेट द्वारा नई शिक्षा नीति को पारित कर दिया गया। जहाँ एक ओर सरकार का कहना है को नई शिक्षा नीति का उद्देश्य विद्यार्थियों के लिए शिक्षा को आसान बनाना है। वही नई शिक्षा नीति का गहराई से अध्ययन किया जाय तो इस नीति का उद्देश्य सरकार के दावों के ठीक विपरीत दिखाई देता है। नई शिक्षा नीति समाज मे सामाजिक एंव आर्थिक रूप से हाशिये पर स्थित बहुसंख्यक समुदायों को बहिष्कृत करने की नीति है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का आधार प्रधानमंत्री का इस साल का सबसे मशहूर जुमला आत्मनिर्भर है। नई शिक्षा नीति का उद्देश्य दलित और पिछड़ो और अल्पसंख्यको को अशिक्षित रखना है एवं सिद्धांत अधिकार आधारित दृष्टिकोण की बजाए कर्तव्य आधारित दृष्टिकोण की तस्वीर पेश करना हैं। अर्थात सरकार अपने शिक्षा सुनिश्चित करने के दायित्व से पीछे हटकर यह कार्य निजी विश्विद्यालय व संचालको को सौंप रही है साथ ही निजी क्षेत्रों को विचारों को नियंत्रित करने का अधिकार दे रही है।

आगे उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा में मल्टीपल एग्जिट प्वाइंट (अर्थात 4 साल के ग्रेजुएशन को पहले, दूसरे अथवा तीसरे वर्ष में भी छोड़ देने पर सर्टिफिकेट) एडवांस सर्टिफिकेट इत्यादि के प्रबंध को नई शिक्षा नीति का आकर्षण बिंदु बनाकर इस नीति को एक बड़े सकारात्मक बदलाव के रूप में पेश किया जा रहा है, किंतु वास्तविकता तो यह है कि इस तरह का प्रावधान अंततः असमानता को ही बढ़ावा देगा। इस तरह की नीति गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को और अधिक हाशिए पर ढकेलेगी तथा शिक्षा का अधिकार एक विशेषाधिकार बनकर रह जाएगा। यह नीति अकादमिक एकरूपता के जरिये से विचारों को नियंत्रित करने की भी कोशिश है। तदनुसार आम परीक्षाओं एवं प्रशासन पर केंद्र का है किंतु निजी एवं सार्वजनिक संस्थानों को लोगों का शोषण करने की पूर्ण वित्तीय स्वतंत्रता है। वही उन्होंने कहा कि मोदी सरकार महामारी संकट को शिक्षा के निजीकरण को आगे बढ़ाने का अवसर बना रही है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी जिम्मेवारियों को बचाने की कोशिश कर रही है। नई शिक्षा नीति निजीकरण शब्द के इस्तेमाल से बचते हुए सरकार द्वारा शिक्षा से जुड़ी हुई अपनी सभी जिम्मेदारियों को त्याग कर निजी संस्थानों को जनता का आर्थिक शोषण करने की सुविधा उपलब्ध कराने का नाम दे रही है। यह नीति निजीकरण को सार्वजनिक परोपकार साझेदारी का नाम देकर शिक्षा जैसी मूलभूत जिम्मेदारी से सरकार का पल्ला झाड़ लेना चाहती है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति सरकारी स्कूलों को सुनियोजित ढंग से बंद करने को बढ़ावा देता है। जिसमे स्कूलों में कम नामांकन अनुपात स्कूल बंद होने का कारण दिखाया जा रहा है। सरकारी स्कूलों में कम नामांकन अनुपात का कारण वास्तव में सरकारी स्कूलों में गुणवत्ता की कीमत पर निजी स्कूलों को सक्रिय रूप बढ़ावा देना और स्कूली शिक्षा से सम्बंधित शिक्षण अधिगम और बुनियादी ढांचे के मुद्दे में सार्वजनिक निवेश की कमी है। त्रुटिपूर्ण नीति को ठीक करने के बजाय एनईपी 2020 सरकारी स्कूल को बंद करने को बढ़ावा देता है। वही बिहार में केंद्रीय विवि की स्थापना हो यह अब सपना ही हो जाएगा। उन्होंने कहा की नई शिक्षा नीति के खिलाफ जन आंदोलन तेज करने की आवाहन करोना महामारी के बाद चालाया जाएगा।

मैं केवटी का बेटा हूं, तानाशाह सरकार के आगे नहीं झुकूंगा : नजरे आलम

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। मधुबनी बुधवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दरभंगा दौरे से ठीक पहले सुबह सुबह ही मुस्लिम बेदारी कारवां के राष्ट्रीय अध्यक्ष नजरे आलम को उनके आवास से ही हिरासत में ले लिया गया और केवटी थाना में करीब 8 घण्टे तक हिरासत में रखा गया। हिरासत की खबर मिलते ही केवटी और उनके गांव और संगठन के लोगों में आक्रोश दिखने लगा और सोशल मीडिया और थाने पर लोगों द्वारा जबरदस्त विरोध के बाद उनको 4 बजे शाम के आसपास छोड़ दिया गया।

थाने के आस पास भीड़ जुटता देख पुलिस ने सभी दुकानें भी बंद करवा दी। इस पुलिसिया करवाई पर श्री नजरे आलम का कहना था कि हक और इंसाफ की लड़ाई लड़ने का ये मुझे सरकारी इनाम मिला है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि सुशासन बाबू को दरभंगा दौरा के नाम से ही नजरे आलम याद आने लगता है। आगे श्री आलम ने कहा की जमाल अतहर रूमी, गंगा देवी, प्रो. उमेश चंद्र, ओम प्रकाश गुप्ता आदि की सरकारी हत्याओं में जबतक उच्चस्तरीय जांच नहीं होगी और मुजरिमों को सजा नहीं मिल जाती मैं चुप रहने वाला नहीं हूँ, मैं इन तंत्रों से नहीं डरता। मुख्यमंत्री का ये दौरा सुपर फ्लॉप और सिर्फ लोगों को दिगभ्रमित करने के लिए था।

मुख्यमंत्री का 15 साल का कार्यकाल बाढ़ को रोक पाने में असफल रहा है। न्याय के साथ विकास का उनका नारा बिल्कुल फ्लॉप हो चुका है। जनता में अब उनकी लोकप्रियता शून्य है। इस घटना पर जल्द ही एक प्रेस कांफ्रेंस कर श्री नजरे आलम अपनी पूरी बात और आगे की रणनीति लोगों के सामने रखेंगे।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सुशांत के एक्स असिस्टेंट अंकित आचार्य का दावा

चलो ठीक है यह मान भी लिया जाए कि सुशांत भैया ने खुद को फांसी पर लटकाया तो ऐसे मामलों में हमेशा यू शेप का निशान आता है। लेकिन जब कोई आपका गला घोंटता है तो यही निशान ओ शेप का हो जाता है। सुशांत भैया के केस में यह ओ शेप निशान ही मिला है। अगर यह आत्महत्या होती तो आदमी की आंखें और जीभ बाहर आ जाती है। सुशांत भैया की बॉडी में इनमें से कोई भी लक्षण नहीं था, इसलिए यकीनन यह कत्ल का मामला है। अंकित आचार्य सुशांत के साथ चौबीसों घंटे ही रहा करते थे। लेकिन रिया चक्रवर्ती ने उनके पूरे स्टाफ को चेंज कर दिया था। अंकित कहते हैं - मेरे पास अब तक सुशांत की डेड बॉडी के फोटो हैं और मैं उन पर खुद ही जांच कर रहा हूं। मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि कातिलों ने फज की बेल्ट से उनका गला घोंटा है। उस बेल्ट के ही निशान हैं वो। अंकित ने आगे बताया कि सुशांत सिंह राजपूत की मौत का केस सीबीआई को हैंडओवर किए जाने से वे बहुत खुश हैं। वे चाहते हैं कि केस की निष्पक्ष जांच हो और सुशांत को न्याय मिले। अंकित का कहना है - मैं चाहता हूं कि सुशांत भैया के कातिलों को फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

महाराष्ट्र में अब आवाज से होगी कोरोना की जांच

आरटी-पीसीआर टेस्टिंग भी होती रहेगी, लेकिन दुनियाभर में टेस्ट की गई तकनीकें साबित करती है कि महामारी ने हमें हमारे स्वास्थ्य ढांचे में तकनीक के उपयोग से चीजों को अलग तरह से देखने और विकसित करने में मदद की है। महाराष्ट्र में कोरोना से निपटने के लिए सरकार लगातार नए कदम उठा रही है। ऐसे में वॉयस सैंपल से टेस्टिंग भी एक अलग कदम ही है। राज्य में कोरोना की स्थित पर बात करें तो शनिवार को 11 हजार 81 मरीज ठीक होकर डिस्चार्ज हुए हैं। इसके बाद मरीजों के ठीक होने का आंकड़ा 3 लाख 38 हजार 262 हो गया है। शनिवार तक महाराष्ट्र में रिकवरी रेट 67।26 प्रतिशत था और 12 हजार 822 नए केस सामने आए थे। कोरोना से 275 लोगों की मौत हुई थी। 26 लाख 47 हजार 20 सैंपल में से 5 लाख 3 हजार सैंपल पॉजिटिव पाए गए थे। सूबे में अभी 9 लाख 89 हजार 612 मरीज होम क्वारनटीन हैं और 35 हजार 625 इंस्टीट्यूशनल क्वारनटीन है। महाराष्ट्र में कुल 1 लाख 47 हजार 48 एक्विट केस हैं।

'महाराष्ट्र के कई इलाकों में भारी बारिश का अनुमान'

अधिकारी ने बताया कि रविवार से मध्य महाराष्ट्र में तथा तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश की संभावना है। अधिकारी ने बताया, सोमवार को विदर्भ क्षेत्र में भारी बारिश का अनुमान है जबकि मध्य महाराष्ट्र में गरज के साथ छीटें पड़ सकती हैं। उन्होंने बताया कि मुंबई तथा पश्चिमी तट के अन्य हिस्सों में 50-60 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। विभाग ने सुबह में बताया था कि मुंबई और तटीय महाराष्ट्र के अन्य हिस्सों में सोमवार से दक्षिण पश्चिम मानसून के फिर से सक्रिय होने की संभावना है। पिछले दो दिनों में मुंबई तथा पड़ोसी इलाकों में मध्यम बारिश हुई है।विभाग के एक अधिकारी ने रविवार को बताया कि मुंबई में बुधवार को रिकॉर्ड बारिश हुई और पिछले दो दिनों में महानगर और उपनगरों में 20 मिलीमीटर से 45 मिलीमीटर तक बारिश हुई।

रामपुर हलचल

नगर एवं क्षेत्र सहित बिजली ने लोगों को किया परेशान

बिजली विभाग के अधिकारी बिजली समस्या के प्रति जरा भी गम्भीर नहीं

संवाददाता

टाण्डा (रामपुर)। नगर एवं क्षेत्र सहित बिजली ने लोगो को किया परेशान बिजली विभाग के अधिकारी बिजली समस्या के प्रति जरा भी गम्भीर नहीं है है लगातार की जा रही है अंधाधुंध कटोती, बिजली की समस्या को लेकर नगर व क्षेत्रवासी काफी चिन्तित होते नजर आ रहे है। नगर एवं क्षेत्र सहित बिजली की अंधाधुंध कटोती एवं वार वार की लगातार ट्रिपिंग ने लोगो को परेशान कर रख दिया है भीषण गर्मी के चलते लोगो की नींदें तक पूरी नहीं हो पा रही है छोटे मोटे उधोग धन्धे चोपट होकर रह गये है बिजली की समस्या को देखते हुए अनेको प्रकार की समस्याओ के चलते जूझना पड़ रहा है गम्भीर एवं जटिल समस्या को देखते हुए विभागीय अधिकारी चुप्पी साधे बेठे हुए है बिजली की ट्रिपिंग एवं कटोती को देखते हुए उसमे सुधार नहीं कर पा रहे है जिसके चलते नगर व क्षेत्रीय जनता परेशान है जबकि नगर को 20 घन्टे 30 मिनट बिजली सप्लाई जारी रखे जाने का शेडयूल है कई कई घंटे बिजली की सप्लाई को गुल कर दिया जाता है बीच बीच में बिजली से सम्बंधित फाल्ट आदि होने का भी क्रम जारी रहता है लेकिन उसको बिजली विभाग कर्मचारियों द्वारा सही कर दिया जाता है बाबुजूद इसके विभागीय अधिकारियो के चलते असीमित बिजली की सप्लाई को बाधित गुल कर दी जाती है जिससे जनता को भीषण गर्मी के चलते गम्भीर प्रकार की समस्याये झेलनी पड़ रही है बिजली की स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है फिल्हाल स्थिति ज्यो की त्यों बनी हुई है बिजली में सुधार लाये जाने की मांग को लेकर एक पत्र मुख्यमंत्री जी को प्रेषित कर कहा गया है कि बिजली की समस्या से शीघ्र छुटकारा दिलाया जाय व्यापार मंडल के जिला महामंत्री अब्दुल समद,विनोद कुमार वर्मा, मु0 सलीम कसगर, मु0 शरीफ अंसारी, मु०शकील, हाजी अतीक, नीलेश वर्मा, अतिकुर्हमान सलमानी, पूर्व पालिका अध्यक्ष मेंहमूदुज्जफर रहमानी पूर्व विधान सभा प्रत्याशी अ०गफूर इजी०, हाजी सरफराज आदि व नगर वासी बिजली की समस्या को लेकर चिन्तित दिखाई दे रहे है।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला मंत्री अ. सलाम ने पीएम मोदी के स्वच्छ भारत अभियान की सराहना की

टाण्डा (रामपुर)। भारतीय जनता पार्टी भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला मंत्री अ० सलाम ने प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के देश भर में कचरा मुक्त अभियान चालू कराये जाने को लेकर सराहना करते हुए कहा कि अभियान शनिवार से शुरू होकर 15 अगस्त तक चलेगा यह अभियान स्वतंत्रता आन्दोलन के दोरान महात्मा गाँधी जी ने आठ अगस्त 1942 को अग्रेजो भारत छोड़ो का नारा दिया था इसी की तर्ज पर गंदगी भारत छोड़ो का नारा दिया प्रधान मंत्री जी ने स्व्च्छ भारत मिशन के अन्तर्गत अभियान चलाकर स्व्च्छ भारत बनाये जाने का निर्णय लिया गया था जो कारगर साबित हुआ अब देश को कचरा मुक्त बनाये जाने पर जोर दिया जा रहा है यह अभियान भी सफल होकर रहेगा गन्दगी से अनेको प्रकार की बीमारिया पनपने का भय बना रहता है कचरा मुक्त कर उस पर नियत्रण किया जा सकता है पूरे भारत शोचालयो की व्यवस्था सरकार के दोरान ही कराई गई खुले में शोच मुक्त ओडीएफ कर लिया गया इसी के साथ साथ सोशल डिस्टेसिंग का भी पूरा ध्यान रखना होगा गावो में सामुदायिक शोचालय बनाये जाने पर जिला स्तरीय तोर पर केन्द्रीय सरकार के आदेशो के चलते विशेष तरीके से ध्यान रखते हुए सफल बनाना होगा। इस दोरान भाजपा ब्लाकध्यक्ष नदीम अख्तर जिला मंत्री अ० सलाम, मु० जमील आदि ने अपने अपने विचार रखे।

कृषकों की खाद की समस्या हल होने का समाधान नहीं हो पा रहा है

संवाददाता

टांडा (रामपुर)। कृषकों की खाद की समस्या हल होने का समाधान नहीं हो पा रहा है। यूरिया खाद की समस्या को लेकर विभागीय उच्च अधिकारियो को लगातार अवगत कराया जा रहा है अभी भी सहकारी समितियों पर खाद नहीं मिल पा रही है धान की फसल खराब होने की आशकाये क्रषको द्वारा व्यक्त की जा रही है सहकारी समितियो पर किसान चक्कर काटते परेशान होते नजर आ रहे है खाद की किल्लत को देखते हुए प्राइवेट दुकानदारो द्वारा रकम से अधिक धनवसूली की जा रही है जिसके चलते खाद की समस्या दूर नहीं की जा रही है क्रषक बेहाल अवस्था में है जो आन्दोलन के लिए बाध्य है। जन अधिकार हनन एवं भ्रष्टाचार श्रमिक शोषण के मण्डल महामंत्री अतिकुर्ह्मान सलमानी ने मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर शीघ्र खाद की किल्लत को दूर किये जाने की मांग की है।

दिशा सालियान सुसाइड केस

दिशा के प्राइवेट पार्ट्स में चोट और बॉडी न्यूड मिलने की खबरों को मुंबई पुलिस ने खारिज किया

...कहा- माता-पिता के सामने हुआ था पंचनामा

संवाददाता

मुंबई। मुंबई पुलिस ने उन खबरों को पूरी तरह गलत बताया है कि जिसमें कहा जा रहा था कि सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान की मौत के वक्त उनके शरीर पर कोई कपड़ा नहीं था। इस मामले में मुंबई पुलिस की तरफ से एक अधिकारी ने बयान जारी करते हुए ऐसी खबरों का खंडन किया। मुंबई पुलिस के जोन 11 के डीसीपी विशाल ठाकुर ने बताया, दिशा सालियान की बॉडी न्यूड मिलने को लेकर चल रहीं सभी रिपोर्ट्स झूठी हैं। इस घटना के बाद पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची थी और शव का पंचनामा किया था। उसके माता-पिता भी मौके पर थे। दिशा ने आखिरी कॉल अपनी दोस्त अंकिता को किया था, जिसका बयान दर्ज किया जा चुका है। अब तक 20-25 लोगों के बयान लिए जा चुके हैं। इससे पहले शनिवार को

दिशा की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर कई खबरों में ये दावा किया गया था कि जिस वक्त दिशा की मौत हुई, उस वक्त उनके शरीर पर बिल्कुल भी कपड़े नहीं थे। साथ ही ऑटोप्सी रिपोर्ट में उनके प्राइवेट पार्ट्स में चोट के निशान मिलने की बात भी कही गई थी। इसके अलावा ये भी कहा गया था कि पोस्टमार्टम उनकी मृत्यु के दो दिन बाद किया गया था। दिशा सालियान की मौत 8 जून को मुंबई के मलाड इलाके में स्थित एक बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से गिरकर हुई थी। उनके पास कोई सुसाइड लेटर बरामद नहीं हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने इसे आत्महत्या बताया था। वहीं इसके ठीक हफ्तेभर बाद यानी 14 जून को सुशांत की मौत भी हो गई थी। जिसके बाद से ही लोग इन दोनों की मौत के बीच कनेक्शन होने का आशंका जाहिर कर रहे हैं। शनिवार को दिशा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। जिसमें ये दावा किया जा रहा था कि ये वीडियो दिशा की मौत से एक घंटे पहले का है। वीडियो में दिशा अपने दोस्तों के साथ डांस करती दिखीं थीं। यह भी दावा किया जा रहा था कि इस वीडियो को 8 जून की रात 11 बजकर 48 मिनट पर दिशा ने अपने दोस्तों के वॉट्सऐप ग्रुप में पोस्ट किया था। इसके करीब एक घंटे के बाद उन्होंने सुसाइड कर लिया था।

मां बोलीं- बेटी के बारे में सबकुछ गलत चल रहा

इससे पहले शनिवार की सुबह ही दिशा की मां वसंती सालियान ने एक न्यूज चैनल से बात की थी। जिसमें उन्होंने कहा था कि 'मेरी बेटी को लेकर मीडिया और सोशल मीडिया पर जो कुछ भी कहा जा रहा है, वो सभी बातें गलत और अफ्वाह से ज्यादा कुछ नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि दिशा केस में मुंबई पुलिस लगातार अपना काम अच्छे तरीके से कर रही है। हमने पोस्टमार्टम रिपोर्ट देखी थी, जिसमें ऐसी कोई बात सामने नहीं आई जो हमें अब बताई जा रही हैं।

पिता ने लगाया छवि खराब करने का आरोप

इससे पहले दिशा के पिता सतीश सालियान ने मुंबई पुलिस से शिकायत करते हुए कहा था कि उनकी बेटी के नाम को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी को लेकर सोशल मीडिया पर गलत और आपत्तिजनक पोस्ट शेयर किया जा रहे हैं। दिशा की मां ने भी सोशल मीडिया पर चल रही उन बातों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें ये कहा जा रहा था कि दिशा मौत के दिन पार्टी कर थीं और वहां उनका रेप हुआ था।

सुशांत-अंकिता क्यों हुए अलग? इसकी भी होनी चाहिए जांचः संजय राउत

संवाददाता

नई दिल्ली। एक्टर सुशांत सिंह राजपूत मामले में अब जांच के साथ-साथ राजनीति भी शुरू हो गई है। जो मामला पहले सिर्फ एक सुसाइड का बताया जा रहा था, अब उसी मामले को लेकर बिहार और महाराष्ट्र सरकार आमने-सामने आ गई है। दोनों राज्यों की पुलिस की तनातनी तो सभी ने देखी, अब शिव सेना नेता संजय राउत भी इस केस में अलग-अलग बयान दे रहे हैं। शिव सेना के मुखपत्र सामना के जरिए संजय राउत ने सुशांत केस में कई तरह के दावे किए हैं। उन्होंने तो मामले में सुशांत की एक्स गर्लफ्रेंड अंकिता लोखंडे को भी घसीट लिया है। राउत ने लिखा है- सुशांत की जिंदगी में दो लड़कियां आई थीं- अंकिता लोखंडे और रिया चक्रवर्ती। अंकिता ने तो सुशांत को छोड़ दिया था, लेकिन जिस रिया पर अभी आरोप लग रहे हैं, वो उनके साथ थीं। ऐसे में इस बात की भी जांच होनी चाहिए कि अंकिता ने सुशांत को क्यों छोड़ा

था। ये जानकारी भी पब्लिक डोमेन में होनी चाहिए। अब इसी आर्टिकल में संजय राउत ने यहां तक कह दिया है कि सुशांत के उनके पिता संग ज्यादा अच्छे रिश्ते नहीं थे। उनके मुताबिक सुशांत के पिता को गुमराह किया गया था जिसकी वजह से उन्होंने मुंबई में हुई घटना के लिए बिहार में एफआईआर दर्ज करवा दी थी। सासंद ने अपने लेख में इस बात पर भी जोर दिया है कि सुशांत सिंह राजपूत ने आत्महत्या की थी। उनकी माने तो इसे कई लोग बिना किसी सबूत के मर्डर बता रहे हैं।

डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे पर उठाए सवाल

सुशांत केस में बिहार बनाम मुंबई पुलिस का खेल भी काफी देखने को मिला है। बिहार डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे ने मुंबई पुलिस के रवैये पर कई तरह के सवाल खड़े किए हैं। इस पर संजय राउत लिखते हैं- बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे बीजेपी के आदमी हैं और उनपर 2009 में कई चार्ज लगे थे। वहीं अब जब सुशांत मामले में सीबीआई जांच हो रही है, इस बात से भी संजय राउत नाराज नजर आ रहे हैं। उनकी नजरों में इस केस का राजनीतिकरण किया जा रहा है।

76 साल पहले मुंबई में भी हुआ था बेरूत जैसा धमाका

हजारों की मौत के बाद दाने-दाने को मोहताज था शहर

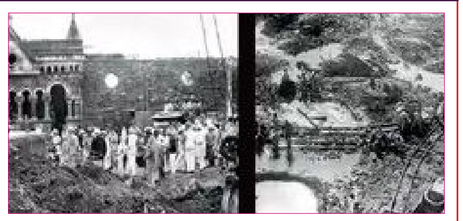

मुंबई। हाल ही में बेरूत पोर्ट पर हुए भीषण धमाके में अभी तक 150 लोगों की जान जा चुकी है। कम से कम 5000 लोग घायल हुए हैं। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में सन 1944 में यानी अब से 76 साल पहले बिलकुल ऐसा ही एक धमाका हुआ था, जिसमें लगभग एक हजार लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में हजारों लोग घायल भी हुए थे। मुंबई के विक्टोरिया डॉक पर खड़े एक जहाज में 14 अप्रैल 1944 को लगी आग के चलते दो धमाके हुए थे, जिसके चलते मुंबई में कई इमारतें जमींदोंज हो गई थीं। बताया जाता है कि 1944 में हुए धमाके इतने जोरदार थे कि मीलों तक धमाके का असर हुआ था। उस वक्त फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने तीन दिन की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया था। द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण 1944 में ब्रिटिश कार्गो शिप 'फोर्ट स्टीकिन' में टनों विस्फोटक, फाइटर एयरक्राफ्ट और कई अन्य सामान भरकर यूनाइटेड किंगडम से लाया जा रहा था। रास्ते में इसी शिप में कराची से सूती कपड़े के सैकड़ों गट्ठर लाद लिए गए थे। आग लगने के खतरे के बावजूद ये गट्ठर शिप पर रखे 300 टन डायनामाइट के निचले तल पर रखे गए।

गोला-बारूद भरे जहाज में लगी आग और हिल गया मुंबई शहर

14 अप्रैल 1944 की दोपहर को यह शिप मुंबई के विक्टोरिया डॉक पर पहुंचा। शिप के पहुंचते ही पता चला कि उसपर आग लग गई है। आग बुझाने की कोशिशें शुरू हुईं लेकिन डायनामाइट, गोला-बारूद और कपड़ों के कारण आग फैलती गई। कुछ ही घंटों में दो बहुत भीषण धमाके हुए और मुंबई शहर हिल गया। धमाके के चलते डॉक पर खड़े 12 जहाज तबाह हो गए। धमाका इतना जोरदार था कि 4000 टन वजन वाला एक जहाज पानी से जमीन पर जा गिरा। आसपास जितने भी लोग मौजूद थे, सभी की मौके पर ही मौत हो गई। अनुमान के तौर पर 800 से 1300 लोगों की मौत हुई। मरने वालों में आर्मी, नेवी, पुलिस और बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट के कर्मचारी शामिल थे। खबर के मुताबिक, दूसरे धमाके में और ज्यादा लोगों की मौत हुई। दरअसल, पहले धमाके के बाद बहुत सारे लोग डॉक पर चले आए थे और दूसरा धमाका हो गया। पैदल चलकर आए लोग धमाके में उड़ गए और गाड़ियां पलट गईं। काले-गाढ़े धुएं से आसमान में अंधेरा छा गया।

डर के मारे सड़क पर बिखरे सामानों को भी नहीं छू सके चोर

दो धमाकों के बाद इतनी दहशत थी कि सड़क पर बिखरे सामानों को चोरों ने भी कई दिनों तक नहीं छुआ। हादसे के बाद भायखला और विक्टोरिया टर्मिनस (वर्तमान में सीएसटी) के बीच रेलवे ट्रैफिक बंद कर दिया गया था। इसका नतीजा यह हुआ कि कई दिनों तक हजारों लोग बॉम्बे बड़ौदा और सेंट्रल इंडिया रेलवे नेटवर्क के सभी स्टेशनों और सभी बस स्टॉप पर भीड़ लगाए हुए थे। कई दिनों सब बंद रहने के बाद लोग अपना काम करवाने के लिए निकले थे। बस स्टॉप पर हजारों लोग लाइन लगाकर बस में सवार होने के लिए घंटों इंतजार कर रहे थे। हादसे के चलते हजारों लोग बेघर हो गए थे। करोड़ों की संपत्ति का नुकसान हुआ था। हादसे में 55 हजार टन अनाज का नुकसान हो गया था और लगभग डेढ़ महीने तक मुंबई शहर की राशन सप्लाई प्रभावित हुई थी।

हिंदी में सवाल पूछने पर अब सियासी घमासान

बीजेपी ने कनिमोझी पर कसा तंज

संवाददाता

नई दिल्ली। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) की नेता कनिमोझी से हिंदी में सवाल पूछने पर छिड़े विवाद पर अब सियासी रंग चढ़ने लगा है। दरअसल, डीएमके नेता कनिमोझी ने एक ट्वीट किया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया कि एयरपोर्ट पर जब उन्होंने सीआईएसएफ अफसर से तमिल या अंग्रेजी में बोलने को कहा तो अधिकारी ने उल्टा उनसे ही सवाल कर लिया कि क्या वो भारतीय नहीं हैं? कनिमोझी ने इस घटना पर आपत्ति जताई और पूछा कि भारतीय होना हिंदी जानने के बराबर कब से हो गया? उनके इस ट्वीट पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष ने तंज कसा है। कनिमोझी के ट्वीट पर बीएल संतोष ने कहा कि विधानसभा चुनाव 8 महीने दूर हैं... अभियान शुरू। बता दें कि दक्षिण भारत के राज्य तमिलनाडु की राजनीति में भाषा का बड़ा रोल है। तमिलनाडु के तमाम राजनीतिक दल उत्तर भारत और केंद्र की सरकारों पर हिन्दी भाषा थोपने का आरोप लगाते रहे हैं। डीएमके ने हाल ही में केंद्र की नई शिक्षा नीति के तहत प्रस्तावित 'थ्री लैंग्वेज फॉर्मूला' का विरोध किया था। सत्ताधारी एआईएडीएमके ने 'थ्री लैंग्वेज फॉर्मूला' का विरोध किया है। इधर, डीएमके सांसद कनिमोझी के साथ हुई घटना का कांग्रेस नेता कार्ति पी चिदंबरम ने भी विरोध किया। पी चिदंबरम के बेटे कार्ति पी चिदंबरम ने कहा कि ये वाकया बेहद आपत्तिजनक और हास्यास्पद है, इसकी घोर आलोचना होनी चाहिए। क्या अब भाषा का टेस्ट हो रहा है, आगे क्या होगा? सीआईएसएफ को इस पर जवाब देना चाहिए।

कोरोना से मौत के बाद मृतक की पत्नि ने आरटीआई लगाकर पति की मौत का कारण से संबंधित प्रमाण मांगी

संवाददाता

बरेली। देश में कोरोना संक्रमण से हजारों जानें जा चुकी हैं। अपनों को खोकर कई परिवार गमजदा हैं। इसी बीच एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें मृतक की पत्नी को भरोसा ही नहीं हो रहा कि उनके पति की मौत कोरोना से हुई है, इसलिए उन्होंने सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) लगाकर जिलाधिकारी से पति की मौत के कारण से अवगत कराने और उससे संबंधित प्रमाण मांगे हैं। देश में यह अपने तरह का पहला मामला है, जिसमें कोरोना से मौत पर आरटीआई से सूचना मांगी गई हो। मामला जिले में कोरोना से 29 अप्रैल को हुई पहली मौत का है। इसमें हजियापुर के 35 वर्षीय वजीर अहमद की मृत्यु हुई थी। 25 अप्रैल को वजीर ने 300 बेड के अस्पताल में जांच कराई। 27 अप्रैल को उनमें संक्रमण की पुष्टि हुई। कोविड अस्पताल में उपचार के दौरान 29 अप्रैल को उनकी मौत हो गई थी। उनकी मौत पर पत्नी खुशनुमा ने हंगामा भी किया था, तब उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही से मौत का आरोप लगाया था, जिस पर वह अभी भी कायम हैं। अब खुशनुमा ने आरटीआई में पूछा है कि वजीर अहमद को क्या बीमारियां थीं? 25 अप्रैल को उनकी कोरोना जांच रिपोर्ट भी उपलब्ध कराए जाए। जिन चिकित्सकों ने उपचार किया और क्या दवाएं दीं, उनका भी विवरण मांगा है। खुशनुमा ने कहा कि वह इस संबंध में न्यायालय भी जाएंगी।

राम के बाद बुद्ध पर विवाद

विदेश मंत्री के बयान पर नेपाल ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने भारत के विदेश मंत्री जयशंकर के जरिए गौतम बुद्ध पर की गई टिप्पणी पर ऐतराज जताया है। नेपाल का कहना है कि गौतम बुद्ध पर मामला संदिह और विवाद से परे है और इस तरह बहस का विषय नहीं हो सकता है। पीएम मोदी भी कह चुके हैं कि बुद्ध का जन्म नेपाल में हुआ था। हालांकि इसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने अपने रुख को स्पष्ट करते हुए कहा है कि बुद्ध साझा विरासत का हिस्सा हैं, नेपाल में पैदा हुए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि इसमें कोई संदिह नहीं है कि गौतम बुद्ध का जन्म लुम्बिनी में हुआ था, जो नेपाल में है। वहीं नेपाल ने अपने बयान में कहा है कि यह सच है कि बौद्ध धर्म नेपाल के बाद दुनिया के अन्य हिस्सों में फैल गया। मामला संदिह और विवाद से परे है और इस तरह बहस का विषय नहीं हो सकता। पूरा अंतरराष्ट्रीय समुदाय इससे अवगत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी साल 2014 नेपाल यात्रा के दौरान कहा था कि नेपाल शांती वाला देश है, जहां बुद्ध का जन्म हुआ था। दरअसल, हाल ही में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा था कि गौतम बुद्ध भारतीय है। एस जयशंकर के जरिए दिए गए इसी बयान पर नेपाल ने आपत्ति जताई है। हालांकि इससे पहले भगवान राम के नाम पर नेपाल विवाद खड़ा कर चुका है। नेपाल ने इससे पहले दावा किया था कि राम जन्मस्थान नेपाल में है।

राम जन्मस्थान पर विवादः

नेपाल के पीएम केपी ओली ने नेपाल के ठोरी के पास रहे अयोध्यापुरी में भगवान राम का जन्मस्थान होने का दावा किया था। उन्होंने कहा था कि राम का असली जन्मस्थान नेपाल में ही है। भारत सांस्कृतिक अतिक्रमण करते हुए गलत तथ्य के आधार पर उत्तर प्रदेश के अयोध्या को राम का असली जन्मस्थान बता रहा है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सत्ता के संरक्षण प्राप्त अधिकारी विपक्षी विधायक तक की नहीं सुनते: शाहीन

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। बाढ़ के पानी का जल स्तर बढ़ने से जिला वासियों का जीना पहले दुर्लभ था ही। अब स्लुईस गेट के बंद हो जाने के कारण नाले का गंदा पानी कलॉनी में जमा हो जाने से महामारी की आशंका बढ़ गई है। आम आवाम का जीना दूभर हो गया है। इस मामले को लेकर नगरवासी स्थानीय विधायक अख्तरूल इस्लाम शाहीन से इसकी शिकायत करने पहुंचे। विधायक शाहीन ने मोबाइल पर नगर परिषद के कार्यपालक अधिकारी को

इस समस्या से अवगत कराया तो शिकायत सुनने के बजाय अधिकारी टाल मटोल कर फोन काट दिया। जिसपर शिकायत करने पहुंचे लोगों में आक्रोश देखने को मिला, वहीं विधायक को लोगों ने जन आंदोलन करने की बात कह कर शिकायतकर्ता चले गए। इधर विधायक शाहीन ने कहा कि नगर परिषद में बड़े पैमाने पर घोटाला हो रहा है। उन्होंने कहा कि सत्ता के संरक्षण में पल रहे पदाधिकारी विपक्षी विधायकों की बात नहीं सुन रहे हैं। इसको लेकर सड़क से सदन तक आवाज उठाया जायेगा। बता दें कि गली मोहल्ले में गंदा जमा पानी निकालने के लिए पंप सेट चला कर पानी निकालने का प्रावधान है परन्तु कार्यपालक पदाधिकारी एवं नगर सभापति नरकीय जीवन जीने को नगर परिषद के छेत्र के आवाम को छोड़ दिया गया है।

महनार अपहरण सह हत्या कांड के दोषियों की गिरफ्तारी अविलम्भ हो: वतन विकास

संवाददाता/जकी अहमद

महनार, वैशाली। वतन विकास संगठन की एक 05 सदस्यीय टीम वैशाली जिला के महनार बाजार पहुंची। टीम का नेतृत्व संगठन सुप्रीमो अंजारूल हक सहारा अधिवक्ता पटना हाईकोर्ट कर रहे थे। टीम के सदस्यगण जिनमे संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सैयदुल जफर अंसारी, प्रवक्ता हसीब अहमद, सचिव आदिल खान इत्यादि ने पीड़ित परिवार के मुखिया शाहजहां खातून जो नगर परिषद महनार की सभापति रह चुकी हैं तथा मृतिका के

भाई मो0 साबिर से भेंट कर घटना की जानकारी लिया। ग्रामीण भी बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। सब लोगों ने एक स्वर में घटना को दिनदहाड़े अपहरण एवँ उस नाबालिग यवती निर्मम हत्या की बात का सम्प्रथन किया तथा नाम जद मुदालह की गिरफ्तारी नही होने एवँ अनुसंधान में पुलिस की आना कानी और टालमटोल पर गहरा छोभ व्यक्त किया। संगठन की टीम ने महनार थाना प्रभारी तथा डीएसपी से भेंट कर दोषियों को अविलम्भ गिरफ्तार करने की मांग किया तथा एक सप्ताह के अंदर गिरफ्तारी नही होने पर आंदोलन चलाने की चेतावनी दिया। यह भी तय हुआ कु यदि 15 अगस्त तक गिरफ्तारी नही हुई तो 18. 08. 20 को मदन चौक, महनार में धरना प्रदर्शन करेंगे तथा चक्का जाम कायय्क्रम होगा।

बुलढाणा हलचल

जिला परिषद में फर्जी कंप्यूटर प्रमाण पत्र पर मचा हड़कम

बुलढाणा। सामान्य प्रशासन विभाग की एक जांच से पता चला है कि जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग के 3 कर्मचारियों ने फर्जी कंप्यूटर योग्यता प्रमाण पत्र देकर कार्यालय को गुमराह किया और सेवा में लाभ प्राप्त किया। तीनों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई के आदेश दिए गए हैं। नतीजतन, 10,000 कर्मचारियों में से कितने अब संगणक निरक्षर हैं और कितने ने फर्जी प्रमाण पत्र जमा किया है। ये जल्द सामने आएगा जिल्हा परिषद में सनसनी होगी सरकारी कर्मचारियों को 2003 से एमएससीआईटी परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है। नई भर्तियों में ज्यादातर कंप्यूटर साक्षर हैं। 28 मई 2018 को सरकार के प्रस्ताव के अनुसार, 31 दिसंबर 2007 के बाद प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने वाला कर्मचारी। उन कर्मचारियों के वेतनवाढ को रोक दिया गया थाहालांकि, 50 वर्ष से ऊपर के कर्मचारियों को इस परीक्षा से छूट दी गई थीकुछ कर्मचारियों को कंप्यूटर भी दिए गए थे। कुछ को कंप्यूटर खरीदने के लिए भुगतान किया गया था। सामान्य प्रशासन विभाग की गंभीर बात यह है कि जिला परिषद में तीन स्वास्थ्य कर्मचारियों ने कंप्यूटर योग्यता का फर्जी और गलत प्रमाण पत्र देकर सरकार को गुमराह किया और सेवा संबंधी लाभ प्राप्त किया। जानकारी मिली है कि तीन संबंधित स्वास्थ्य कर्मचारीयो प्रशासन को एक लिखित जवाब में कहा था कि वे पैसे देकर शहर में कंप्यूटर सेंटर से फर्जी कंप्यूटर प्रमाण पत्र प्राप्त कर रहे थे। जिला परिषद के तहत विभिन्न संवर्गों को इस तरह के फर्जी कंप्यूटर प्रमाण पत्र सौंपकर बड़ी संख्या में कर्मचारियों द्वारा सरकार को धोखा दिए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया गया है।

जिलाधिकारी डॉ. सुमन चंद्रा अभ्यास दौरे पर जिलावासियों मे नाराजगी

बुलडाणा। देश में जब से कोरोना संक्रमण का फैलाव जब से शुरू हुआ तब से ही जिले में एक कर्तव्य दक्ष जिला कलेक्टर डॉ सुमन चंद्र जिले मे कोरोना के फैलाव को रोकने के लिए उल्लेखनीय कामगिरी किए जैसे कि शुरूआती दौर में

मार्च महीने में शुरू होने वाली सैलानी यात्रा पर रोक लगाकर जिले को कोरोना जैसी महामारी से बचाने के लिए अहम भूमिका निभाई और इसके अलावा जिले में दूसरे यात्रा भी स्थगित किया गया जिस से जिले में शुरूआती दौर में कोरोना का फैलाव कम दिखा लेकिन विगत 2 महीनों से कोरोना संक्रमित से मरीजों की संख्या दिन पर दिन बढ़ती ही दिखाई दे रही है तभी जिला कलेक्टर समय पर सही फैसला ले कर कोरोना के संक्रमण को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग से जुड़े अधिकारियों से मीटिंग लेकर इस समस्या का निवारण करते थे लेकिन 2 दिन पहले अभ्यास रजा मंजूर होने से नागरिकों में नाराजगी व्यक्त की जा रही है क्योंकि जिले में कोरोना महामारी बीमारी ने गंभीर रूप ले रखी है जिले के पालक होने के नाते जिला अधिकारी सुमन चंद्र इनकी अभ्यास दौरा मंजूर होना जिला वासियों की दुर्भाग्य जनक बात है जिला वासियों में चर्चा जारी है किस जिले में दिन रात एक कर के नागरिकों की स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अहम भूमिका निभाई है लेकिन अचानक इस गंभीर प्रस्थिती मैं उनकी अभ्यास रजा मंजूर हो जाना यह सोचने वाली बात है क्योंकि उनको पूरे जिले का इस बीमारी के चलते अभ्यास हो चुका था लेकिन अब जिला कलेक्टर का पदभार जिला परिषद के मुख्य अधिकारी ष्मणमुखराजन को सौंपा गया है अब ये दो भूमिका निभाएंगे।

ट्रिपल तलाक के मामले में 4 के खिलाफ अपराध

बुलडाणा। पति ने अपनी पत्नी को उसके मोबाइल फोन पर 3 बार अवैध रूप से धमकी देकर तलाक दे दिया। बुलडाणी ग्रामीण पुलिस स्टेशन में उसके पति सहित 4 व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, देउलघाट की एक 22 वर्षीय मुस्लिम महिला ने मुस्लिम धर्मशास्त्र के अनुसार औरंगाबाद के इज्तेमा में 5 मार्च, 2017 को औरंगाबाद के सै.साबिर सै.बशीर से शादी की। उनका एक 2 साल का बेटा भी है पीड़िता के ससुराल वालों ने पीड़िता को शादी के बाद से ही परेशान किया था, इसलिए 8 महीने पहले, पीड़िता मेहेरी देउलघाट में रहने के लिए आई। यह शिकायत में कहा गया है। इस दौरान न तो उसका पति और न ही ससुराल उसे लेने के लिए आए। इस बीच, उसने अपने भाई के मोबाइल फोन पर धमकी देकर ट्रिपल तलाक ले लिया। शिकायत के अनुसार, आरोपी पति सै. साबिर सै बशीर, सुल्ताना बी सै. बशीर, सै बशीर सै हीराजी और आयशा बी सै. बशीर संजय नगर, बाईजी पुरा, औरंगाबाद इन सभी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

समस्तीपुर हलचल

विकलांग सम्मान समारोह मनाया गया

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। 'समस्तीपुर विकास मंच' के द्वारा जितवारपुर चौक स्थित राधा-कृष्ण मंदिर परिसर में 'वृद्ध /विकलांग सम्मान समारोह' का आयोजन कर लगभग 70 जरुरतमंदो को धोती व माला पहना कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, संचालन राजद प्रखंड अध्यक्ष उमेश प्रसाद यादव उर्फ टुनटुन यादव, विषय प्रवेश व स्वागत सम्बोधन रेलवे ट्रेड यूनियन नेता एस.के.निराला तथा धन्यवाद् ज्ञापन सरपंच संघ के प्रखंड अध्यक्ष विष्णु राय ने की। अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर ने कहा कि गरीबों की सेवा से बड़ी कोई सेवा दुनिया में कोई नहीं है। गरीबों की सेवा ही सच्ची सेवा है। लोगों को हमेशा गरीबों का निःस्वार्थ भाव से सेवा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिले की हर जनता के दुख दर्द में वे हमेशा साथ रहने के लिए कृतसंकल्पित हैं। सोशल डिस्टेंस का पालन करते हुए सबो के हाथ को साबुन से धुलवाया गया, मास्क वितरित की गयी। तदुपरांत वृद्ध /विकलांग व जरुरतमंदो को धोती-माला पहना कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में इंटर में बेहतर परिणाम लाने वाले जितवारपुर निजामत पंचायत के वार्ड संख्या-13 के छात्र कुणाल कुमार को पुस्तक, चादर, माला, मोमेंटो से अभिनन्दन भी किया गया।

समस्तीपुर जिला के लोजपा वरिष्ठ नेता का निधन

समस्तीपुर। 8 अगस्त 2020 को समस्तीपुर जिला के लोक जनशक्ति पार्टी के वरिष्ठ नेता व पार्टी के स्थापना काल से दलित सेना के प्रखंड अध्यक्ष स्वर्गीय सीताराम पासवान का निधन हो गया। इसकी खबर सुनते ही पुरे समस्तीपुर जिला के लोजपा कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गया। लोजपा कार्यकर्ताओं ने उनके ग्राम निवास स्थल पर पहुंचकर लोजपा झंडे में लिपटाकर उनका सम्मान देने का काम किया एवं अंतिम विदा किया और शोकाकुल परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट किया और भगवान से उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किए। शोक प्रकट करने वालों में मौके पर जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर राय, समस्तीपुर प्रखंड अध्यक्ष नीरज भारद्वाज,मीडिया प्रभारी उमाशंकर मिश्रा, आईटी सेल जिला अध्यक्ष राजीव कुमार, युवा लोजपा नेता राजा पासवान, दलित सेना जिला अध्यक्ष राजकिशोर हजारी, प्रकाश कुमार, आईटी सेल कार्यकारी जिला अध्यक्ष कपिलेश्वर पासवान, आईटी सेल प्रधान महासचिव रोशन कुमार पोद्दार, हसनपुर प्रखंड अध्यक्ष लालटून यादव, आईटी सेल जिला उपाध्यक्ष प्रशांत कुमार गणेश कुमार, महासचिव विकेस कुमार, रोहित कुमार, अमरजीत पासवान सहित कई लोजपा कार्यकर्ता ने शोकाकुल परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की।

भारतीय युवा कांग्रेस का स्थापना दिवस मनाया गया

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। भारतीय युवा कांग्रेस का स्थपना दिवस रोजगार दो अभियान चला कर मनाया गया। स्थपना दिवस की शुरूआत सौरव कुमार चौधरी उर्फ सोनू जी की अध्यक्षता में झंडोतोलन कर के किया गया। अपने अध्यक्षीय भाषण में श्री सौरव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गलत आर्थिक नीतियों की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था आई० सी० यु० में है। नोटबंदी तथा अनियोजित जी० एस० टी० के कारण करोड़ों युवाओं को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। इस अवसर पर बोलते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव ई० अबू तनवीर ने कहा केंद्र की मोदी सरकार हर वर्ष दो करोड़ रोजगार देने के नाम पर सत्ता में आयी थी परन्तु आज रोजगार देना तो दूर प्रतिवर्ष करोड़ों नौजवान बेरोजगार हो रहे हैं मगर सरकार गहरी नींद में सो रही है। उन्होंने कहा के अगर सरकार अब भी नहीं जागी तो युवा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी जी के नेतृत्व में पूरे देश में युवाओं के लिए आंदोलन चलाएगी। इसी करी में आज 9 अगस्त से रोजगार दो, अभियान की शुरूआत हो रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य युवाओं के लिए सबसे जरूरी रोजगार के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, से लेकर जिला स्तर, तहसील और ग्राम स्तर तक रोजगार दो का नारा बुलंद करेने का काम करेगी ताकि बढ़ती बेरोजगारी से बेखबर केंद्र सरकार को जगाया जा सके। इस अवसर पर अन्य लोगों के अलावे जिला कांग्रेस कमिटी के महासचिव मुकेश कुमार चौधरी, जिला युवा कांग्रेस महासचिव मो० मोहिउद्दीन, एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष अभिनव अंशु, उजियारपुर विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष रितेश कुमार चौधरी, कल्याणपुर विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश कुमार चौधरी, वारिसनगर विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष नन्द कुमार चौधरी, अजित कुमार सिंह, जीतेन्द्र कुमार महतो, आकाश रॉय, मो० रिजवी, विपिन कुमार, महफूज आलम तथा मो० अफजल आदि शामिल हुए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

इन संकेतों को ना समझें मामूली, विटामिन्स की कमी का करते हैं इशारा

किसी भी तरह की बीमारी लगने से पहले शरीर में इसके लक्षण दिखाई देने लगते हैं। जिन पर हम कई बार ध्यान नहीं दे पाते और यह आखिर में बड़ी समस्या बन जाती है। उसी तरह शरीर में किसी भी विटामिन की कमी होने पर कोई न कोई संकेत देखने को मिलता है जिसे हम कई बार समझ नहीं पाते और शरीर बिमारियों की चपेट में आ जाता है। आज हम आपको विटामिन्स की कमी पर होने वाले संकेतों और इन विटामिन्स को पूरा करने के तरीके बताएंगे, जिसे इस्तेमाल करके हैल्दी जीवन बिता सकेंगे।

1. ड्राई स्किन होने पर

कई बार कुछ लोग ड्राई स्किन से बहुत परेशान होते हैं। वह इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए ब्यूटी क्रीम्स या फिर ऑयल का इस्तेमाल करते हैं। बल्कि ड्राई स्किन विटामिन ई की कमी का संकेत होता है। इसकी पूर्ति के लिए आप पालक और बादाम का सेवन करें। इन दोनों में विटामिन ई काफी मात्रा में पाया जाता है।

2. ज्यादा मीठी चीजें खाने की दिलचस्पी

बार-बार मीठी चीजें खाने का मन करने पर शरीर में ग्लूकोज की कमी का लक्षण होता है। इसकी कमी होने पर ज्यादा मिठाईयां नहीं खानी चाहिए। अगर आपका भी मीठी चीजें खाने का मन करता है तो शहद का सेवन करें क्योंकि इसमें ग्लूकोज भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इस प्रॉब्लम में फ्रूट्स का भी खा सकते हैं।

3. अनिद्रा की समस्या

अगर आपको लेटने पर जल्दी नींद आती या फिर सोने में 1 घंटे से ज्यादा समय लग जाता है तो आपको पोटाशियम की कमी हो सकती है। इसके अलावा पैर की मांसपेशियों में खिंचाव भी पोटाशियम की कमी के लक्षण है। इसकी कमी को दूर करने के लिए अपनी डाइट में केला, नारियल पानी और चुकंदर को शामिल करें। इसके अलावा तरबूज और खरबूजा भी इसके अच्छे स्त्रोत है।

4. बार-बार ठंडी चीजें या बर्फ खाने का मन होना

अगर आपका मन बार-बार बहुत ज्यादा ठंडी चीजें जैसे आइसक्रीम, कुल्फी खाने या फिर बर्फ को मुंह में रखने का मन करने पर शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। अगर यह समस्या 2-3 महीने होने पर इसे आयरन डेफिशिएंसी एनिमिया माना जा सकता है। इस समस्या को दूर करने के लिए किशमिश, चना, मूंग खाएं।

5. मसूड़ों से खून निकलना

वैसे तो मसूड़ों में खून निकलने के बहुत कारण हो सकते हैं लेकिन इसका खास कारण शरीर में विटामिन सी की कमी भी होना है। इसकी पूर्ति के लिए खट्टे फल जैसे नारंगी, मौसंबी और नींबू का सेवन करें। आप इसका जूस बना कर भी पी सकते हैं।

वजन कंट्रोल करने के लिए पीते हैं गर्म पानी तो पहले जान लें ये 5 नुकसान

वजन को कंट्रोल में करने के लिए ज्यादातर लोग रोजाना गर्म पानी पीते हैं। इससे वजन कम होने के साथ-साथ पेट भी साफ होता है लेकिन ज्यादा गर्म पानी पीने से शरीर के अंदरूनी पार्ट्स डैमेज हो सकते है। दरअसल, पानी को गर्म करने से इसमें मौजूद मिनरल्स और पोटेशियम खत्म हो जाता है, जिससे शरीर को नुकसान पहुंचता है। इसकी जगह आप गुनगुना पानी पी सकते है। वहीं, अगर आप इसे मटके में डालकर पीते हैं तो इसको न्यूट्रिशन वापस मिल जाएंगे।

ज्यादा गर्म पानी पीने के नुकसान

ब्लड प्रेशर

अगर आपको ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम है तो भूलकर भी गर्म पानी न पीएं। रोजाना गर्म पानी पीने से ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

अनिद्रा

रात को गर्म पानी पीकर सोने से नींद न आने की समस्या हो सकती है। अगर आप अनिद्रा से परेशान है तो इसका सेवन न करें। इससे स्लीप साइकल डिस्टर्ब हो जाता है।

किडनी के लिए हानिकारक

ज्यादा गर्म पानी पीने से किडनी सही तरह से काम नहीं कर पाती। इससे किडनी डैमेज भी हो सकती है।

सांस लेने में प्रॉब्लम

अगर आप अस्थमा के मरीज है तो गर्म पानी का सेवन न करें। इससे प्रॉब्लम बढ़ सकती है।

मुंह में छाले

हम अक्सर सोचते हैं कि मसालेदार खाना खाने से मुंह में छाले होते है लेकिन इसका एक कारण अधिक गर्म पानी का सेवन करना भी है। ज्यादा गर्म पानी पीने से शरीर के इंटरनल पार्ट डिहाइड्रेट हो जाते है जिससे यह प्रॉब्लम होती है।

फटी एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए अपनाएं ये घरेलू टिप्स

गर्मियों में अक्सर ज्यादातर लोगों के पैरी की एड़ियां फटने लगती हैं। फटी एड़ियों के कारण कई बार दूसरे लोगों के सामने शर्मिंदगी भी उठानी पड़ती है। इसके अलावा इस वजह से लड़कियां अपनी मनपसंदीदा सैंडिल भी नहीं पाती। पैरों की खूबसूरती वापिस पाने और एड़ियों को मुलायम बनाने के लिए लड़कियां कई तरह के उपाय करती हैं। मगर इससे कोई फायदा नहीं होता। ऐसे में आप घरेलू नुस्खों को अपनाकर भी फटी एड़ियों से राहत पा सकते हैं।

एड़ियां फटने का कारण

अनियमित खानपान
विटामिन ई की कमी
कैल्शियम
आयरन की कमी
पैरों पर अत्यधिक दबाव
सोरायसिस
एथलीट फुट
एड़ियों को कोमल बनाने के घेरलू उपाय

1. नारियल तेल

रोजाना रात को सोने से पहले नारियल तेल से पैरों की मालिश करें। मालिश करने के लिए 1 बड़ा चम्मच नारियल तेल लें। इसको हल्का सा गर्म करें। अब तकरीबन 5 मिनट के लिए मालिश करें। लगातार 10 दिनों तक इस तेल को लगाने से एड़ियां मुलायम होने शुरू हो जाएंगी।

2. ग्लिसरीन और गुलाब जल

अगर आपकी एड़ियां बहुत ज्यादा फट गई हैं। तो उस पर गुलाब जल और ग्लिसरीन को मिलाकर लगाएं। कुछ समय तक इस पेस्ट को एड़ियों पर लगा रहने दें। उसके बाद इसके गुनगुने पानी से धो लें। कुछ दिन ऐसा करने के बाद आपको फर्क दिखाई देने लगेगा।

3. ओट और जोजोबा ऑयल

ओट और जोजोबा ऑयल को इक्ट्ठा करके लगाने से इसे एड़ियां मुलायम बनने के साथ ही पैर गौरे भी हो जाएंगे।

घुटनों के बल चलना शिशुओं के विकास के लिए है जरूरी, मिलते हैं ये 5 लाभ

शिशु जब घुटनों के बल चलना शुरू करता है, तो मां-बाप को खुशी मिलती है। घर-आंगन में शिशु की किलकारियों और भाग-दौड़ से घर के सभी सदस्यों का मन लगा रहता है। घुटनों के बल चलकर ही बच्चा धीरे-धीरे खड़ा होना और अपने पैरों पर चलना सीखता है। घुटनों के बल चलना शिशु के लिए जरूरी है और प्रकृति ने ये नियम कुछ खास उद्देशयों से बनाया है। चलना सीखने की पहली सीढ़ी होने के साथ-साथ घुटनों के बल चलने से शिशु के शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ भी मिलते हैं, जो उसके शारीरिक, मानसिक और संवेगात्मक विकास के लिए जरूरी होते हैं। आइये आपको बताते हैं कि घुटनों के बल चलने से शिशु को क्या लाभ मिलते हैं।

शरीरिक विकास के लिए

घुटनों के बल चलना शिशु के शारीरिक विकास के लिए बहुत जरूरी है। चलने से शिशु की हड्डियों में मजबूती आती है और उनमें लचीलापन आता है जो शिशु को पैरों पर चलने, दौड़ने, शरीर को मोड़ने और घुमाना सीखने के लिए जरूरी है। इसलिए शिशु जब घुटनों के बल चलने लगे तो उसे प्रोटीन और कैल्शियम युक्त आहार देना चाहिए ताकि उसकी हड्डियां मजबूत बनें और शरीर तेजी से विकास कर सके।

प्राकृतिक नियमों की समझदारी

शिशु में प्राकृतिक नियमों की समझ के लिए भी

उसका स्वयं चीजों को करके सीखना जरूरी है। शिशु जब घुटनों के बल चलना शुरू करता है, तो उसे गति और स्थिति के सामान्य नियमों की समझ आती है और वो बैलेन्स बनाना भी सीखता है।

दृष्टि और आंखों के नियमों की समझ

शिशु जब घुटनों के बल चलना शुरू करता है तो उसकी दृष्टि क्षमता भी ज्यादा विकसित होती है। गोद में रहने के दौरान भी शिशु चीजों को देखता है लेकिन जब वो चलना शुरू करता है तो उसकी दूरी संबंधी समझ का विकास होता है।

वास्तव में देखा जाए तो शिशु के दिमाग में दुनियावी चीजों की समझ घुटनों के बल चलने के दौरान ही सबसे ज्यादा विकसित होती है। इसी समय शिशु का दायां और बांया मस्तिष्क आपस में सामंजस्य बनाना सीखता है क्योंकि इस समय शिशु एक साथ कई काम करता है जिसमें दिमाग के अलग-अलग हिस्सों का इस्तेमाल होता है। जैसे जब शिशु चलता है तो वो हाथ-पैर का इस्तेमाल करता है, आंखों का इस्तेमाल करता है, संवेगों का इस्तेमाल करता है और दूरी, तापमान, गहराई जैसी सैकड़ों चीजों की समझ उस समय वो इस्तेमाल करता है इसलिए ये दिमाग के हिस्सों के विकसित करने में मदद करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

आदर जैन ही हैं तारा सुतारिया के सपनों का हीरो

तारा सुतारिया ने किया कन्फर्म- आदर जैन ही हैं उनके सपनों के हीरो, पोस्ट की लाजवाब तस्वीरलुकाछिपी खत्म हुई और अब तारा सुतारिया ने आदर जैन के साथ अपने प्यार पर मुहर लगा दी है। दोनों के रिलेशनशिप को लेकर लंबे समय से काफी चर्चा थी। तारा ने आदर जैन के साथ अपने इस रिश्ते को ऑफिशल इंस्टाग्राम पर किया है, जहां उन्होंने दोनों की बड़ी ही खूबसूरत तस्वीर शेयर की है। मौका था आदर के 26वें जन्मदिन का, जब सुतारिया एक पुरानी तस्वीर अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट की जिसमें दोनों की जोड़ी कमाल दिख रही है। इस तस्वीर के साथ तारा ने लिखा है, 'हमेशा तुम्हारी, हमेशा मेरे, हमेशा हमारा, हैपी बर्थडे मेरे फेवरेट पर्सन आदर जैन। तारा के इस पोस्ट पर आदर जैन ने भी जवाब लिखा है और बदले में उन्हें 'आई लव यू' कहा है। आदर की मां रीमा जैन और बहन रिद्धिमा कपूर ने भी कॉमेंट किया है और दिल का एक इमोजी पोस्ट किया है। बताया जाता है कि आदर और तारा की मुलाकात करीब साल भर पहले दिवाली के मौके पर हुई थी। तारा से जब इस रिश्ते के बार में सवाल किया गया था तो उन्होंने इतना ही कहा था कि उन्हें साथ घूमना-फिरना और एकसाथ समय बिताना अच्छा लगता है। उन्होंने कहा था आदर उनके लिए काफी स्पेशल हैं और दोनों भी खाने के शौकीन और इसलिए वे जहां-तहां रेस्ट्रॉन्ट में साथ नजर आ जाते हैं।

आमिर की फिल्म के लिए करीना ने छोड़ दी थी शाहरुख की 'चेन्नई एक्सप्रेस'?

रोहित शेट्टी की ऐक्शन फिल्मों के साथ ही कॉमिडी फिल्में भी काफी पसंद की जाती हैं। ऐसी ही एक फिल्म थी 'चेन्नई एक्सप्रेस' में कॉमिडी के साथ ऐक्शन का भी तड़का लगाया था। इस फिल्म को रिलीज हुए पूरे 7 साल हो गए हैं। शाहरुख खान की इस सुपरहिट फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण थीं और इस जोड़ी को काफी पसंद भी किया गया था। लेकिन क्या आपको पता है दीपिका का मीनाम्मा वाला किरदार पहले करीना कपूर को ऑफर किया गया था लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया था। जी हां, आपने ठीक सुना। 'चेन्नई एक्सप्रेस' में शाहरुख के ऑपोजिट पहली पसंद करीना कपूर थीं लेकिन उन्होंने आमिर खान की फिल्म के लिए इस फिल्म को छोड़ दिया था। उस टाइम पर करीना आमिर खान की फिल्म 'तलाश' में बिजी थीं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि रोहित शेट्टी ने उन्हें 'चेन्नई एक्सप्रेस' ऑफर की थी लेकिन उस समय वह 'तलाश' की शूटिंग कर रही थीं और उन्हें शाहरुख की यह फिल्म छोड़ने में कोई परेशानी नहीं थी। इसके बाद दीपिका को इस फिल्म में लिया गया और पक्के तौर पर कहा जा सकता है कि इस किरदार को दीपिका से बेहतर कोई निभा भी नहीं पाता। यह दीपिका के सबसे ज्यादा पसंद किए गए किरदारों में से एक बन गया। 'चेन्नई एक्सप्रेस' में शाहरुख और दीपिका की केमिस्ट्री के कारण आज भी पसंद किया जाता है। खैर, जहां तक करीना की बात है तो अब वह एक बार फिर आमिर खान के साथ फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में नजर आएंगी।

दीपिका हैं देश की नंबर वन एक्ट्रेस

बदलते वक्त के साथ देश का मिजाज भी तेजी से बदल जाता है। कोरोना काल में वक्त बदला है और कम फिल्में रिलीज हुई हैं। तो क्या ऐसे में देश का मिजाज भी बदला है? एक सर्वे किया था जिसमें 12 हजार 21 लोगों से बात की गई। इनमें से 67 फीसदी ग्रामीण जबकि शेष 33 फीसदी शहरी थे। इन लोगों से पूछा गया कि उनके हिसाब से आज के वक्त में देश की नंबर वन हीरोइन कौन है? चलिए जानते हैं कि इस सवाल पर लोगों ने किसे देश की नंबर वन एक्ट्रेस बताया। 16 प्रतिशत लोग ऐसे थे जिन्होंने दीपिका पादुकोण को देश की नंबर 1 एक्ट्रेस बताया है। जबकि 14 प्रतिशत ने इंटरनेशनल स्टार प्रियंका चोपड़ा को नंबर वन एक्ट्रेस बताया। 13 प्रतिशत लोगों ने माना है कि कटरीना कैफ देश की सबसे कामयाब अभिनेत्री हैं जबकि 10 प्रतिशत ने ऐश्वर्या राय बच्चन को नंबर वन एक्ट्रेस चुना। इसके अलावा अनुष्का शर्मा को 9 प्रतिशत लोगों ने, आलिया भट्ट को 6 प्रतिशत लोगों ने, और कंगना रनौत को भी 6 प्रतिशत लोगों ने देश की सबसे कामयाब एक्ट्रेस माना है।